चंदा सिर पर है जिनके | By Sanjay Chauhan |

चंदा सिर पर है जिनके,
कानों में कुण्डल चमके,
सर्पों की माल गले में,
गंगा है जटा में जिनके,
ऐसे तो भोला शंकर हैं,
शंकर को वंदन है…

मेरे भोले भंडारी की,
नंदी पे सवारी,
भस्मी रमी है तन पे,
हाथों में डमरू जिनके,
बाघम्बर छाल कमर पे,
त्रिशूल है हाथ में जिनके,
ऐसे तो भोला शंकर हैं,
शंकर को वंदन है…

जब-जब ये आँखें खोलें,
तो धरती अम्बर डोले,
देव तो क्या ब्रह्मांड भी,
जय शिव शंकर बोले,
मुखड़े पर तेज है दमके,
एक नेत्र ललाट पे जिनके,
रुद्राक्ष भुजंग पे धारे,
तिहुँ लोक है चर्चे जिनके,
ऐसे तो भोला शंकर हैं,
शंकर को वंदन है…

गौरा शंकर की जोड़ी,
कितनी सुंदर लागे,
इनके दर्शन से,
भाग्य हमारे जागे,
गुण गाता जग ये जिनके,
हम भी दीवाने उनके,
जो भोले-भाले मन के,
हृदय में प्रेम जिनके,
ऐसे तो भोला शंकर हैं,
शंकर को वंदन है…

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%bf%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a4%b0-%e0%a4%b9%e0%a5%88-%e0%a4%9c%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a4%95%e0%a5%87-by-sanjay-chauhan/